2 प्रतीक्षा

एक बार भगवान बुद्ध अपने शिष्यों के साथ राजगीर जा रहे थे। रास्ता काफी लम्बा और पथरीला था। रास्ते में भगवान बुद्ध को प्यास लगी। वे अपने शिष्यों के साथ एक वटवृक्ष की छाया में बैठकर विश्राम करने लगे। एक शिष्य आनंद पास के पहाड़ी झरने से पानी लेने गए। उन्होंने देखा कि झरने के पास से अभी-अभी बैलगाड़ियाँ गुजरी हैं, और जल गंदला हो गया है। वे लौट आए और बुद्ध से बोले- ''मैं पीछे छूट गई नदी पर जल लेने जाता हूँ। इस झरने का पानी बैलगाड़ियों के कारण गंदला हो गया है।'' किन्तु भगवान बुद्ध ने आनंद को वापस उसी झरने पर भेजा। तब भी पानी साफ नहीं हुआ था। आनंद लौट आए। ऐसा तीन बार हुआ। चौथी बार जाने पर आनंद हैरान रह गए। मिट्टी व सड़े-गले पत्ते नीचे बैठ गए थे। पानी

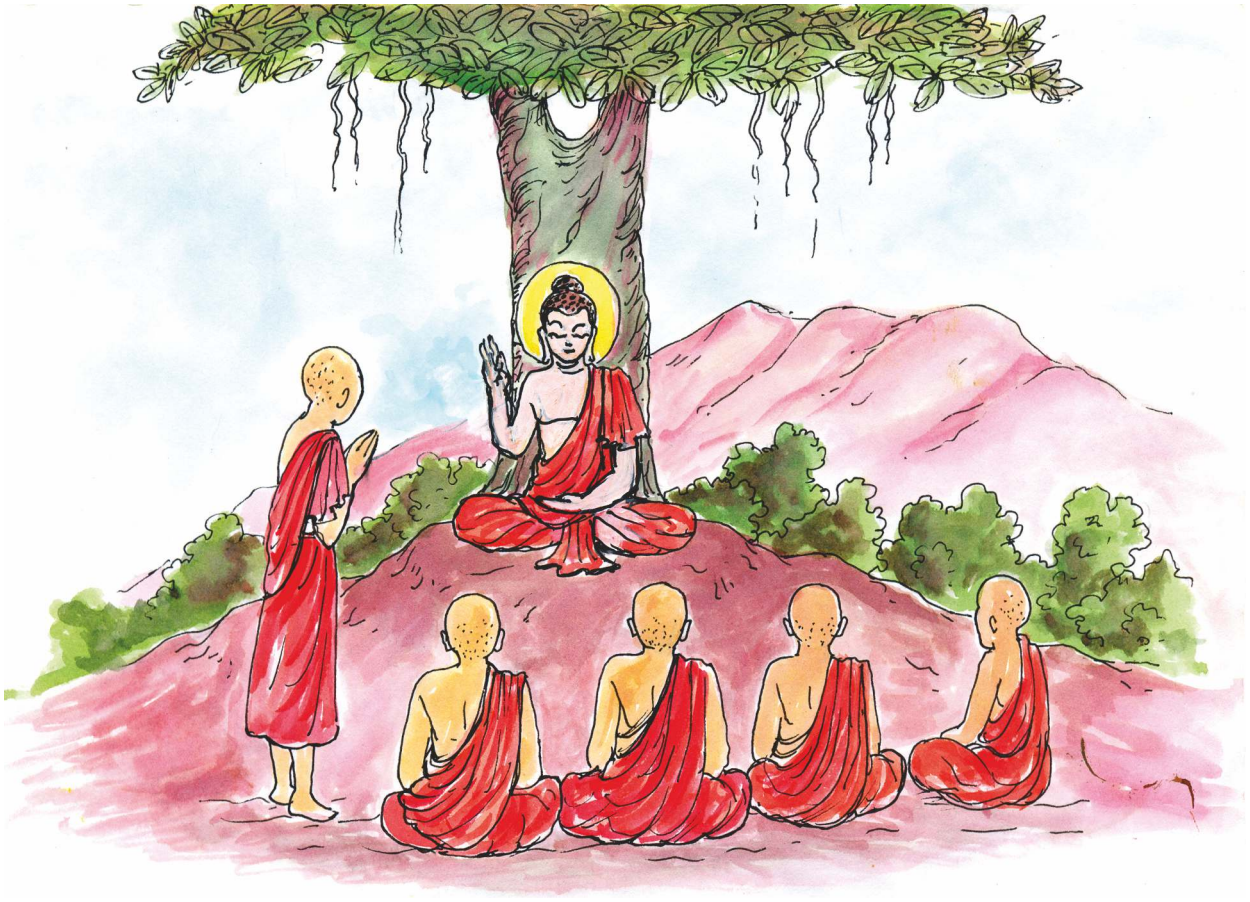

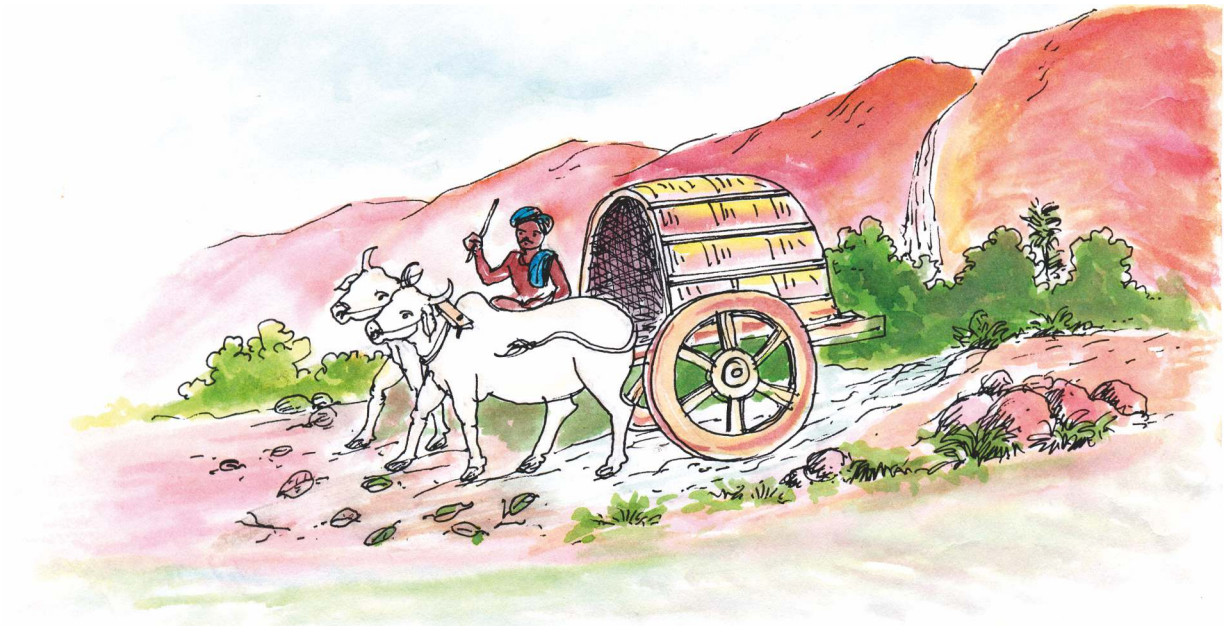

आईने की भाँति चमक रहा था। वे पानी लेकर लौट आए।

भगवान बुद्ध बोले- ''आनंद, हमारे जीवन के जल को भी बुरे विचारों की बैलगाड़ियाँ रोज-रोज गंदला कर देती हैं और हम बुरे काम करने को तत्पर हो जाते हैं। यदि हम मन की झील के शांत होने तक थोड़ी-सी प्रतीक्षा कर लें, तो सब कुछ स्वच्छ हो जाता है; उसी झरने की तरह।''

शिक्षक संकेत : अन्य महापुरुषों के भी प्रेरक-प्रसंग बच्चों को सुनाएँ ।

शब्दार्थ

वटवृक्ष	- बरगद का पेड़	**विश्राम**	-	आराम
शिष्य	- चेला, छात्र	**गंदला**	-	गंदा
प्रतीक्षा	- इन्तजार	**स्वच्छ**	-	साफ

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) क्या आपने किसी साधु-संत को देखा है? उनके बारे में बताएँ।

.....

.....

(ख)कोई ऐसी घटना जिससे आपको सीख मिली हो, बताएँ।

.....

.....

2. अपनी समझ से बताएँ –

(क) इस कहानी का शीर्षक 'प्रतीक्षा' है। सोचिए इसके और क्या शीर्षक हो सकते हैं?

.....

.....

(ख) आपको प्रतीक्षा करना कैसा लगता है?

.....

.....

(ग) दैनिक जीवन में आप किसकी प्रतीक्षा करते हैं ?

.....

.....

.....

3. पाठ से बताएँ –

(क) आनन्द कहाँ गए थे और क्यों ?

.....

.....

(ख) झरने का पानी गंदला कैसे हो गया था ?

.....

.....

(ग) अन्तिम बार जब आनन्द झरने पर गए तो उन्होंने वहाँ क्या देखा?

.....

.....

(घ) आनन्द कुल कितनी बार उस झरने पर गए ?

.....

.....

4. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ें और प्रत्येक वाक्य के लिए खाली खानों में लिखें कि यह वाक्य किसने कहा , किससे कहा और क्यों कहा-

(क) मैं पीछे छूट गई नदी पर जल लेने जाता हूँ।

(ख) यदि हम मन की झील के शान्त होने तक थोड़ी-सी प्रतीक्षा कर लें, तो सब कुछ स्वच्छ हो जाता है।

वाक्य	किसने कहा	किससे कहा	क्यों कहा
(क)			
(ख)			

5. इनके अर्थ बताएँ-

वटवृक्ष - .....

विश्राम - .....

गंदला - .....

प्रतीक्षा - .....

स्वच्छ - .....

6. इनके उल्टे अर्थ वाले शब्द बनाएँ-

पास - ..... लम्बा - .....

छाया - ..... गंदला - .....

नीचे - ..... बुरा - .....

7. खाली स्थानों को भरें -

(क) महात्मा बुद्ध अपने शिष्यों के साथ ..... जा रहे थे । (राजगीर, गया)

(ख) आनन्द ..... से पानी लाने गए । (झरने, नदी)

(ग) झरने का पानी ..... से गंदला हो गया था । (बैलगाड़ियों, मोटरगाड़ियों)

(घ) चौथी बार जाने पर आनन्द ..... रह गये । (खड़े, हैरान)

(ङ) पानी ..... की भाँति चमक रहा था । (मोती, आईने)

8. इस पाठ में बैलगाड़ी की चर्चा है। आप और किन-किन सवारियों के नाम जानते हैं ?

....

....

....

....

9. इस पाठ में कुछ नाम आए हैं। उन नामों को लिखें तथा बताएँ कि वे क्या हैं ?

नाम	–	क्या हैं ?
आनन्द	–	शिष्य का नाम
.....	–	.....
.....	–	.....
.....	–	.....
.....	–	.....

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान आदि के नाम को 'संज्ञा' कहते हैं। ऊपर जो नाम आपने लिखा है, वे 'संज्ञा' के उदाहरण हो सकते हैं।

10. शिष्य आनन्द आपको कैसे लगे? उनकी जगह आप होते तो क्या करते ?

.....

.....

.....

.....